ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय- हिन्दी(व्याकरण)

दिनांक—17/09/2020 अलंकार

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

<u>शब्दालंकार के भेद—</u>

(II)यमक अलंकार

जिस प्रकार अनुप्रास अलंकार में किसी एक वर्ण की आवृति होती है, उसी प्रकार यमक अलंकार में किसी काव्य का सौन्दर्य बढ़ाने के लिए एक शब्द की बार-बार आवृति होती है। दो बार प्रयोग किए गए शब्द का अर्थ अलग हो सकता है । **जैसे:**

(क)काली घटा का घमंड घटा।

यहाँ 'घटा' शब्द की आवृत्ति भिन्न-भिन्न अर्थ में हुई है। पहले 'घटा' शब्द 'वर्षाकाल' में उड़ने वाली 'मेघमाला' के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है और दूसरी बार 'घटा' का अर्थ है 'कम हुआ'। अतः यहाँ यमक अलंकार है।

(ख)कनक कनक ते सौगुनी मादकता अधिकाय।
या खाए बौराय नर या पा बौराय।।

इस पद्य में **'कनक'** शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है। प्रथम कनक का अर्थ **'सोना'** और दूसरे कनक का अर्थ **'धतूरा'** है। अतः **'कनक'** शब्द का दो बार प्रयोग हुआ

है और भिन्नार्थ के कारण उक्त पंक्तियों में यमक अलंकार की छटा दिखती है।

(ग) **माला फेरत जग गया, मिटा न मन का फेर।**
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर।।

ऊपर दिए गए पद्य में **'मनका'** शब्द का दो बार प्रयोग किया गया है। पहली बार **'मनका'** का आशय माला के मोती से है और दूसरी बार **'मन का'** से आशय है मन की भावनाओं से है।

छात्र कार्य-

दी गई पाठ्य सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें एवं याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"